उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

तर्कशास्त्र–प्रवक्ता (माध्यमिक शिक्षा)

(विषय कोड–26)

1. तर्कशास्त्र : परिभाषा, स्वरूप और क्षेत्र, निगमनात्मक और आगमनात्मक युक्ति, आधार वाक्य एवं निष्कर्ष, वाक्य, कथन एवं तर्क वाक्य, सत्यता एवं वैद्यता, तार्किक दोष; अनौपचारिक एवं आकारगत।
2. भाषा के कार्य, भाषा में सहमति एवं असहमति, भाषा के प्रकार, पदों के गुणार्थ एवं वस्त्वार्थ, व्युत्पत्ति एवं भेद द्वारा परिभाषा।
3. तर्कवाक्य : गुण, परिमाण एवं व्याप्ति, तर्कवाक्यों का पारम्परिक या अरस्तवी वर्गीकरण, विरोधवर्ग, सत्तात्मक तात्पर्य और तर्कवाक्यों की बूलीय व्याख्या।
4. निगमनात्मक युक्तियाँ : अव्यवहित एवं व्यवहित युक्ति : अव्यवहित निगमनात्मक युक्ति : परिवर्तन, प्रतिवर्तन एवं प्रतिपरिवर्तन; व्यवहित निगमनात्मक युक्ति : निरूपाधिक न्याययुक्ति, विकल्पनात्मक न्याययुक्ति, हेतुहेतुवादी न्याययुक्ति : निरूपाधिक न्याययुक्ति : आकृति, अवस्था, वेनचित से न्याययुक्ति की वैद्यता सिद्ध करना, छः नियम एवं तर्कदोष, साधारण वाक्यों का चार मानक आकार के तर्कवाक्यों में तार्किक अनुवाद।
5. तर्कशास्त्र प्रतीकों का प्रयोग एवं कार्य, सरल एवं यौगिक तर्कवाक्य, संयोजन, विकल्पन, निषेध, शाद्विकप्रतिपत्ति, शाब्दिक समतुल्यता, तार्किक समतुल्यता, सत्यता सारिणी, पुनर्कथा, व्याघात, सम्भाव्य, शाद्विक प्रतिपत्ति के विरोधाभाष, डीमार्गन सिद्धान्त, विचार के नियम।
6. आकारिक निगमन : अनुमान के नियम एवं प्रतिस्थापन के नियम और उनके द्वारा युक्तियों की बैधता एवं अवैधता सिद्ध करना, अप्रत्यक्ष प्रमाण, सोपाधिक प्रमाण।
7. परिमाणन : सामान्यीकरण एवं अवशेषीकरण; तर्कवाक्यीय चर एवं अचर, परिमाणन के चार नियम, परिमाणक निषेध के नियम, सम्बन्धों का प्रतीकीकरण, सम्बन्धों के प्रकार।
8. आगमनात्मक तर्कशास्त्र : साम्यानुमानिक तर्कयुक्ति, मिल के कारणता की प्रयोगिक विधियां, प्राक्कल्पना का स्वरूप : वैज्ञानिक एवं अवैज्ञानिक प्रकार।